>

Title: Need to encourage use of ethanol mixed petrol for the benefit of sugarcane growers in the country.

श्री हंसराज गं. अहीर : पेट्रोल आयात की वजह से देश में विदेशी मुद्रा खर्च करनी पड़ती है। मैं आपके माध्यम से पेट्रोलियम मंत्री जी से कहना चाहता हूं कि जो पेट्रोल आयात करने जा रहे हैं, कुछ परिमाण में पर्याय के रूप में इथनॉल मिश्रित करें क्योंकि कुछ कृषि उपज गन्ने के मामले में विषय निकले थे, अगर हम इथनॉल पेट्रोल में मिलाकर बेचने के लिए सख्ती करें तब गन्ना उत्पादक किसानों को इसका लाभ मिलेगा। मंत्री जी बार-बार कहते हैं कि हमने पांच प्रतिशत इथनॉल मिश्रित करने की अनुमति दी है लेकिन अनुमति देने के बावजूद भी तेल कंपनियां उसे मिश्रित नहीं कर रही हैं।[r11]

15 तारीख के रिप्लाई में प्रश्न क्रमांक 17 में मंत्री जी ने कहा है कि सरकार द्वारा पांच प्रतिशत ई.पी.बी. कार्यक्रम को अनिवार्य बनाया जाए, इसके लिए प्रस्ताव किया जा रहा है और उसे 10 प्रतिशत इथनोल मिश्रण वैकल्पिक किया जा रहा है। सरकार इस बारे में सिर्फ कहती है, लेकिन सख्ती से कानून नहीं बना रही है। इस वजह से तेल कंपनियां इथनोल मिश्रित करके पैट्रोल नहीं बेच रही हैं। मैं आपके माध्यम से कहना चाहता हूं कि इस मिश्रण की वजह से गन्ना उत्पादक किसानों को चीनी मिलें वक्त पर पेमेन्ट करेंगी, क्योंकि अभी यहां कहा जा रहा था कि चीनी मिलों द्वारा गन्ना उत्पादकों को पेमेन्ट नहीं किया जा रहा है। इस तरह से उन्हें वक्त पर अच्छा दाम मिलेगा। क्योंकि आज कई चीनी मिलें बंद होने के कगार पर हैं, इस तरह से चीनी मिलें बंद नहीं होगी और वे भी सही तरीके से चलेंगी। मैं आपके माध्यम से सरकार से यही विनती कर रहा हूं कि वह पैट्रोल में इथनोल मिश्रित करने का बाध्यकारी कानून बनाये।

अध्यक्ष महोदय : श्री राम कृपाल यादव, आप बोलिये।